Dr Tapati Mukerjee.
H.O.D in Music
Associate Prof
Date-29-05-2020
R.M. College Sms.

Study Material For B.A Part I (Hon) Paper I

Topic Merits and De-merits of a Hindustani ...
(गायकों के गुण तथा अवगुण)

संगीत-रत्नाकर में गायकों की २२ गुण तथा २५ अवगुणों का वर्णन किया गया है, लेकिन जिसमें साधारणतः एक गायकों की जिसमें गुण तथा अवगुण इस प्रकार है —

(A) गायकों के गुण —

(1) मधुर कंठ गमक, कण तथा मींड़ लेने वाले मधुर और सुरीला कण्ठ तथा कम अभ्यास में गाने योग्य होना कलाकार का एक श्रेष्ठ गुण है,

(2) शुद्ध उच्चारण — सुर लगाने तथा गीत के शब्दों का उच्चारण शुद्ध और स्पष्ट होना चाहिए।

(3) स्वर श्रुति का ज्ञान, राग में प्रयोग होने वाले सभी स्वरों तथा श्रुतियों का ज्ञान तथा गाने की क्षमता होना।

(4) गायक लयकार हो तथा सभी तालों का ज्ञान अच्छी तरह से होना चाहिए। इसके साथ-साथ सम्प्रकृति रागों का ज्ञान, अल्पत्व-बहुत्व, तथा तिरोभाव-आविर्भाव दिखाने की क्षमता।

(5) अपने से तान आलाप करने की क्षमता।

(6) स्वर, लय, और तालों के बीच सुन्दर समन्वय होना चाहिए।

(7) श्रम रहित — अर्थात गाना गाते समय श्रोताओं को यह अनुभव न हो कि गायक थक चुके हैं।

(8) जन-मन-रंजन - गायक के गायन से श्रोताओं को मुग्ध करना

(9) कंठ परिधि — गायक की कंठ परिधि जितनी अधिक हो गायन उतना ही अच्छा होता है।

Scanned with CamScanner

(10) आत्मविश्वास - मंच पर निर्भय होकर गाना बहुत जरूरी है।

(11) गायकी - गायक की गायकी पूर्ण और उसके कण्ठ के अनुरूप होनी चाहिए।

(12) अवसर तथा श्रोताओं का ध्यान - समय अवसर तथा श्रोता के अनुसार राग, गीतों के शब्द, गाने की अवधि आदि।

(13) अवगुण (1) कर्कश कण्ठ - रूखा तथा तीखा कण्ठ का प्रभावलोकि प्रथम प्रभाव श्रोताओं पर गायक का कण्ठ का पड़ता है।

(2) बेसुरा गाना - आवाज अपने स्वर के स्थान पर न लगे।

(3) - स्वर तथा शब्दों का त्रुटिपूर्ण उच्चारण - आवाज में कम्पन, दाँत दबाकर गायन करना, नाक से गाना, शब्दों का उच्चारण में कमी आदि।

(4) राग की अशुद्धता

(5) गाते समय बेताले तथा बेलय होना।

(6) एकबार प्रयोग किये गये शब्दों तथा स्वरों को बार-बार दोहराना

(7) मुद्रादोष - गाते समय मुँह बनाना, हाथ पटकना कान पर हाथ रखकर गाना, आँख बन्द करके गाना आदि।

(8) अव्यवस्थित तथा क्रमहीन गाना।

(9) आत्म विश्वास की कमी।

(10) समय, श्रोता तथा अवसर के अनुरूप न गायन करना।

(3)

(11) आवश्यकता से अधिक तैयारी दिखाना।

(12) स्वर, लय, तथा भाव का सम्बन्ध की कमी।

(13) नीरस गाने — गाने में रस की कमी आदि - गायक के अवगुण हैं।।

—— ——.